



DEBOCK INDUSTRIES LIMITED

(Formerly known as Debock Sales And Marketing Limited)

9th December, 2024

To,
Department of Corporate Services,
Listing Compliance
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, 5th Floor,
Plot No. C/1, G Block
Bandra -Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai – 400 051.

Ref: Scrip Code/ Symbol: DIL

Dear Sir/Madam,

Subject: Newspaper Notice – Extract of Financial Results Publication

Pursuant to regulation 47 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find the enclosed herewith a copy of Newspaper Advertisement published on 08th December, 2024 in English and Hindi edition with reference to the publication of Financial Results for the Quarter and Half Year ended 30.09.2024.

You are requested to take the above cited information on your records.

Thanking You,

For Debock Industries Limited
(Formerly known as Debock Sales & Marketing Limited)

MUKESH
MANVEER
SINGH

Digitally signed by
MUKESH MANVEER
SINGH
Date: 2024.12.09
12:38:29 +05'30'

Mukesh Manveer Singh

Director

DIN: 01765408

E-mail: cs@debockgroup.com info@debockgroup.com

इटकोंस ई-सॉल्यूशंस लिमिटेड ने वॉल-मार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ('पिलपकार्ट') के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट किया

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। नई दिल्ली आधारित 'इटकोंस ई-सॉल्यूशंस लिमिटेड' ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी ने पूरे भारत में एकमुश्त प्लेसमेंट सेवाएँ प्रदान करने के लिए वॉल-मार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ('पिलपकार्ट') के साथ एक मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) किया है। यह करती है कंपनी: इटकोंस ई-सॉल्यूशंस लिमिटेड ह्यूमन रिसोर्स सर्विसेज देने का काम करती है। कंपनी मुख्य रूप से संगठित क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी दोनों संगठनों को अपनी सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी द्वारा मुख्य रूप से दो प्रकार की सेवाएँ दी जा रही है। 1. मेनपावर सप्लाई/रिक्रूटमेंट सर्विस 2. मेनपावर सॉर्सिंग/ स्टाफिंग सर्विसेज निगमन के बाद से %इटकोंस ई-सॉल्यूशंस लिमिटेड% अनुबंधित कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों की टीम बन गई है। कंपनी स्टाफिंग और भर्ती, सूचना प्रौद्योगिकी, एफएमसीजी, खाद्य आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान करती है।

इटकोंस ई-सॉल्यूशंस लिमिटेड अपनी सेवाओं की पेशकश को विकसित कर रही है ताकि अपने ग्राहकों को कंपनी की सेवाओं के माध्यम से उनकी एंड-टू-एंड एचआर जरूरतों का समर्थन किया जा सके। कंपनी की सेवाओं की श्रेणी को निम्नलिखित व्यवसायों के अंतर्गत विभाजित किया गया है: 1. आईटी स्टाफिंग 2. जनरल स्टाफिंग 3. सी-बेजिंग 4. रिक्रूटमेंट प्रोसेस आउटसोर्सिंग 5. पास थो सर्विसेज 6. पेरोल सर्विसेज 7. मैनेज्ड आईटी सर्विसेज 8. प्रोडक्ट इंस्टॉलेशन एवं सर्विसिंग सॉल्यूशन 9. परमाणेंट ह्यारिंग कंपनी ने गत 15 वर्षों में बड़ी संख्या में लोगों को काम दिलवाया है।

कंपनी को मूल रूप से आईटी स्टाॅफिंग से ऑर्डर मिल रहे हैं। कंपनी द्वारा विप्रो, एलटीआई माईडटी, टीवीएसई, इनफिनाइट सॉल्यूशंस, एचसीएल इत्यादि प्रमुख कंपनियों को सर्विस प्रदान की जा रही है। कंपनी को अच्छी सर्विस देने पर ग्राहक कंपनियों से नियमित रूप से ऑर्डर मिल रहे हैं।



शिवालिक पावर कंट्रोल लिमिटेड को 38 लाख रुपए का ऑर्डर मिला



बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। हरियाणा के फरीदाबाद आधारित 'शिवालिक पावर कंट्रोल लिमिटेड' विभिन्न प्रकार के उच्च गुणवत्ता एवं क्षमता के इलेक्ट्रिक पैनेल बनाती है। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को एलटी पैनेल के लिए पेप्सीको इंडिया होल्डिंग से 38 लाख रुपये का ऑर्डर मिला है। इस परियोजना का कार्य मार्च 2025 के मध्य तक पूरा हो जाएगा।

कंपनी की कारोबारी गतिविधियाँ : 2004 में स्थापित, शिवालिक पावर कंट्रोल लिमिटेड इलेक्ट्रिक पैनेल बनाती है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में पीसीसी पैनेल, आईएमसीसी पैनेल, स्मार्ट पैनेल, एमसीसी पैनेल, डीजी सिंक्रोनाइजेशन पैनेल, आउटडोर पैनेल, 33 केवी तक एचटी पैनेल, वीएफडी पैनेल, पावर डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड, बस डक्ट और एलटी और एचटी एपीएफसी पैनेल शामिल हैं। एलएंडटी, सीमेंस, शनाइडर इलेक्ट्रिक और टीडीके जैसे उद्योग जगत की प्रमुख कंपनियां शिवालिक को आईईसी 61439 - 1 और 2, आईईसी 61641 और आईएस1893 के अनुसार पूरी तरह से टाइप-परीक्षणित पैनेल बनाने के लिए अधिकृत करते हैं। कंपनी 11 केवी और 33 केवी के एचटी पैनेल बनाती है।

कंपनी इन पैनेलों को भारत के साथ-साथ भारत के बाहर नेपाल, बांग्लादेश और युगांडा, केन्या, नाइजीरिया और अल्जीरिया जैसे अफ्रीकी देशों में 15 से अधिक औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध करवाती है। कंपनी की विनिर्माण इकाई को आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 और आईएसओ 45001:2018 में उल्लिखित गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों, पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए प्रमाणित किया गया है। कंपनी की विनिर्माण इकाई हरियाणा के फरीदाबाद, बल्लभगढ़ में स्थित है और इसकी उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 10,000 वर्टिकल है।

लेमेरिट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को बीएसएफ और लद्दाख पुलिस से 14 करोड़ रुपए के आर्डर मिले



बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। मुंबई आधारित टेक्सटाइल कंपनी लेमेरिट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को गृह मंत्रालय - सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) से नए डिजिटल प्रिंट/डिजाइन की सिलाई के लिए वर्षों फैब्रिक तैयार करने का आदेश प्राप्त हुआ है। ले मेरिट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड बीएसएफ की नई वर्षों डिजिटल प्रिंट/डिजाइन कपड़े की आपूर्ति करने वाली पहली कंपनी होगी। इसके अलावा, कंपनी को अत्यधिक ठंडी जलवायु ('ईसीसी') कोट/जैकेट की आपूर्ति के लिए गृह मंत्रालय - लद्दाख पुलिस से ऑर्डर मिला है। मिले हुए आर्डर का कुल मूल्य 14 करोड़ रुपए है।

यह करती है कंपनी : 2003 में निगमित, ले मेरिट एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड सूती धागे, ग्रेज फैब्रिक और तैयार कपड़े जैसे कपड़ा उत्पादों के निर्माण और व्यापार में लगी हुई है। कंपनी तीन क्षेत्रों के माध्यम से कारोबार करती है, जिसमें यार्न का निर्माण, यार्न का व्यापार, और ग्रेज और तैयार कपड़ों का व्यापार शामिल है। ले मेरिट एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का पूर्व नाम डिवानिया यार्न एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड था। कंपनी सूती कपड़े, तौलिया और चादर के कपड़े, पॉलिस्टर और विस्कोस सामग्री, परिधान कपड़े, रंगे हुए धागे आदि जैसे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है। कंपनी की दो सहायक कंपनियां हैं, ले मेरिट फिलामेंट प्राइवेट लिमिटेड और ले मेरिट लक्ष्मी स्पिनिंग प्राइवेट हैं। कंपनी अपने उत्पादों को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात करती है, जिसमें 5 महाद्वीपों के 52 देश शामिल हैं।

सेबी ने पारदर्शिता, शिकायत निवारण को बढ़ावा देने के लिए निवेशक चार्टर में बदलाव किया

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने निवेशक सुरक्षा, बाजार पारदर्शिता और निवेशकों के बीच भरोसा तथा विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से एक नया निवेशक चार्टर जारी किया। सुधार किए गए चार्टर में निवेशक की जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने और प्रतिभूति बाजार से संबंधित उत्पादों या सेवाओं से उचित शर्तों पर बाहर निकलने का अधिकार प्रदान करने पर जोर दिया गया है।

बाजार नियामक ने एक बयान में कहा, “इसके अलावा, सेबी ने स्कोर 2.0 और स्मार्ट ऑनलाइन विवाद समाधान के शुभारंभ के साथ शिकायत निवारण तंत्र और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को मजबूत किया है।” स्कोर 2.0 में, निवेशक शिकायतों को सीधे सेबी पंजीकृत मध्यस्थों या विनियमित संस्थाओं और नामित निकायों के साथ पहले



स्तर की समीक्षा के लिए लिया जाता है, जिसमें बाजार नियामक दूसरे स्तर की समीक्षा के चरण में सभी शिकायतों को लेता है। स्मार्ट ओडीआर पोर्टल भारतीय प्रतिभूति बाजार में उत्पन्न होने वाले विवादों के समाधान के लिए ऑनलाइन सुलह और ऑनलाइन मध्यस्थता की सुविधा प्रदान करता है। संशोधित चार्टर का उद्देश्य निवेशकों को बाजार निवेश से

जुड़े जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाना है, साथ ही समय पर और कुशल तरीके से उनके साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करना है। सुधार किये गये चार्टर में निवेशकों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का भी विवरण दिया गया है, जैसे कि लेन-देन के रिकॉर्ड को बनाए रखना, निवेश से जुड़े जोखिमों और शुल्कों को जानना और शिकायत निवारण तंत्र से खुद को परिचित करना आदि।

जीएसएम फोइल्स लिमिटेड ने नवम्बर माह में सालाना आधार पर सेल्स बिक्री में 151.93 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। महाराष्ट्र के पालघर आधारित बिस्स्टर फॉइल और एल्युमीनियम फार्मा फॉइल निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी जीएसएम फोइल्स लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी ने नवंबर माह में सालाना आधार पर 151.93 फीसदी की वृद्धि के साथ 108,375,039/- रुपए सेल्स वाल्यूम दर्ज की है जबकि गत वर्ष नवंबर माह में कंपनी ने 43,016,688/- रुपए सेल्स वाल्यूम दर्ज की थी। अप्रैल से नवंबर 2024 तक कंपनी ने 748,847,721/- रुपए सेल्स वाल्यूम दर्ज की है।

यह करती है कंपनी: अप्रैल 2019 में



स्थापित, जीएसएम फॉइल्स लिमिटेड ब्लिस्टर फॉइल्स और एल्युमीनियम फार्मा फॉइल्स बनाती है, जिसे 'स्ट्रिप फॉइल्स' के रूप में भी जाना जाता है, जिसका

उपयोग कैप्सूल और टैबलेट जैसी फार्मास्यूटिकल दवाओं की पैकेजिंग के लिए किया जाता है। ये फॉइल प्राथमिक पैकेजिंग सामग्री हैं जो दवा के सीधे संपर्क में आती हैं, इसलिए उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरती जाती है। कंपनी ने ठाणे, वसई, महाराष्ट्र में सफायर बिल्डिंग में एक विनिर्माण सुविधा स्थापित की है, जिसमें भूतल और 3 मंजिलों में 7,973 वर्ग फुट का क्षेत्र शामिल है। विनिर्माण सुविधाएं निर्बाध विनिर्माण प्रक्रियाओं, परेशानी मुक्त उत्पादन, गुणवत्ता परीक्षण, अनुसंधान, भंडारण और पैकेजिंग का

समर्थन करने के लिए आवश्यक उपकरणों, मशीनरी और सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित हैं। कंपनी आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित कंपनी है। घरेलू बाजार में 13 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में ग्राहकों के साथ कंपनी की पूरे भारत में उपस्थिति है।

2024 में कंपनी का आईपीओ एनएसई इमर्ज पर प्लेटफार्म पर आया था। तब कंपनी ने 32 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 34,40,000 शेयर जारी कर 11.01 करोड़ रुपए जुटाए थे। आईपीओ का प्रबंधन प्रमुख लौड मैनेजर कंपनी श्रेणी शेयर्स लिमिटेड द्वारा किया गया था।

‘मजबूत आय वृद्धि और घरेलू पूंजी प्रवाह की बदौलत सेंसेक्स एक लाख के होगा पार’

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई(आईएनएस)। उभरते बाजारों (ईएम) में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने के साथ भारतीय शेयर बाजार ने इस साल सितंबर में पहली बार 85,000 अंक का आंकड़ा पार किया।

अब बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने अनुमान लगाया है कि इस तेजी के परिदृश्य में अगले साल के अंत तक बीएसई सेंसेक्स ऐतिहासिक एक लाख के स्तर को पार कर सकता है।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने पूर्वानुमान जताया है कि मजबूत आय वृद्धि और घरेलू पूंजी प्रवाह, व्यापक आर्थिक स्थिरता के समर्थन से सेंसेक्स 1,05,000 के स्तर पर पहुंच सकता है। जब सेंसेक्स ने 85 हजार का आंकड़ा पार किया था, तब देश के अर्थशास्त्रियों ने भी ऐसे ही पूर्वानुमान लगाए थे। इस साल 24 सितंबर को सेंसेक्स पहली बार 85,044 (रिकॉर्ड ऊंचाई) पर पहुंच था।



इसी दिन निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,969 पर पहुंच गया था। 50 शेयरों वाला यह इंडेक्स भी 25,975 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। इन्फोमेरिकस रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने आईएनएस से कहा था, 'सेंसेक्स इस साल या तो अगले साल की शुरुआत में 1 लाख अंक तक पहुंच

जाएगा। यह एक हाई लेवल होगा, लेकिन भारत में निश्चित रूप से शेयर बाजार में तेजी का दौर है।' वहीं, दूसरी ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए खरीदार बनने का रुख अपना रहे हैं। बाजार पर नजर रखने वालों ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में भू-

राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद मजबूती बनी हुई है, इससे एफआईआई की लगातार बिकवाली का दौर खत्म हो गया है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेशियल सर्विसेज लिमिटेड के सिद्धार्थ खेमका के अनुसार, एफआईआई ने दिसंबर की शुरुआत सकारात्मक तरीके से की है, जिससे बाजार की धारणा को काफी बढ़ावा मिला है। भारतीय शेयर बाजार में चल रही तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मार्केट कैप में भी शानदार बढ़ोतरी हुई है। बीएसई का मार्केट कैप एक बार फिर 450 लाख करोड़ रुपये के ऊपर निकल गया है। पिछले तीन कारोबारों सत्रों से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब 4 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दे चुके हैं। इस दौरान बीएसई का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ से भी ज्यादा बढ़ा है। मौजूदा समय में बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप 454 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है।

जेपी मॉर्गन ने अडानी के चार बॉन्ड को ‘ओवरवेट’ रेटिंग दी

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।

अमेरिकी निवेश बैंकर जेपी मॉर्गन ने अडानी समूह के चार बॉन्ड को ‘ओवरवेट’ रेटिंग दी है। इस रेटिंग का मतलब है कि बॉन्ड का प्रदर्शन बेहतर रहेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कंपनी में आंतरिक नकदी प्रवाह का इस्तेमाल करके मात्रा और वृद्धि करने की क्षमता है, जिससे ऋण दबाव की गुंजाइश कम हो जाती है।



जेपी मॉर्गन ने एक रिपोर्ट में अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड के तीन बॉन्ड निर्गम और अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की एक

‘अंडरवेट’ है।

जेपी मॉर्गन बॉन्ड के लिए तीन तरह की रेटिंग देता है - ‘ओवरवेट’ रेटिंग, जो खरीद की श्रेणी में आती है, ‘तटस्थ’ रेटिंग जो यथास्थिति को दर्शाती है, और ‘अंडरवेट’ रेटिंग जो बेचने की श्रेणी में आती है। जोखिम के बारे में इसमें कहा गया है कि यदि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) और न्याय विभाग के अडानी समूह

के संस्थापक चेयरमैन गौतम अडानी और अन्य पर स्थिति देने के आरोपों का त्वरित समाधान होता है तो इससे आने वाले बॉन्ड के लिए और अच्छी बोलियां मिलेंगी और पुनर्वित्त आसा होगा। साथ ही परिचालन प्रदर्शन में सुधार होगा।। अडानी समूह ने अमेरिकी अधिकारियों के अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है।

तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड को राजस्थान राज्य सरकार के भवनों पर रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक विद्युत परियोजनाओं के लिए मिला 236.80 करोड़ रुपए का ऑर्डर



कंपनी को सोलर रूफटॉप के लिए एक सरकारी परियोजना से सम्मानित किया गया है, जिसका मूल्य 236.81 करोड़ है। यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी प्रबंधन देश की नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं में योगदान करने के अवसर

को लेकर उत्साहित है और वे इस गतिशील क्षेत्र में अपने पोर्टफोलियो की निरंतर वृद्धि की आशा करते हैं।

यह करती है कंपनी: तीर्थ गोपीकॉन लिमिटेड की स्थापना 2019 में हुई थी और यह मध्य प्रदेश में सड़क निर्माण, सीवरेंज और जल

आपूर्ति के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी ने एक उपठेकेदार के रूप में भी सेवाएँ प्रदान की हैं और इंदौर शहर में एक आवासीय टावर का निर्माण किया है।

कंपनी ने विभिन्न केंद्र और राज्य सरकारों जैसे आईएससीडीएल, आईएमसी, यूएससीएल, यूएमसी, एमपीजेएनएम आदि के पंजीकृत ठेकेदार के रूप में विभिन्न कार्य किए हैं और निजी क्षेत्र के लिए भी निर्माण कार्य किए हैं। कंपनी ने भवन निर्माण, जल आपूर्ति, पाइपलाइन, सीवेज नेटवर्क, सौख्य उपाचार संयंत्र, नाला नल, पुनः उपयोग नेटवर्क, ओवरहेड टैंक, जीएसआर, सड़क निर्माण, झील पुनर्वास इत्यादि जैसे सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की है। आप कंपनी ने सोलर क्षेत्र में भी प्रवेश किया है।

डिबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्व नाम डिबॉक सेल्स एंड मार्केटिंग लिमिटेड)

पंजीकृत कार्यालय: 51, लोहिया कॉलोनी, 200 फ्रीट बाई-पास, वैशाली नगर, जयपुर-302021

टेलीफोन: +91-7999999975, ई-मेल: info@debockgroup.com, वेबसाइट: www.debockgroup.com

30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अनअंकेक्षित एकल वित्तीय परिणामों का विवरण

प्रति शेयर आंकड़ों को छोड़कर रुपए लाखों में						
क्र. सं.	विवरण	एकल				
		समाप्त तिमाही	समाप्त छमाही	समाप्त छमाही	समाप्त तिमाही	समाप्त तिमाही
		30.09.2024 (अनअंकेक्षित)	30.06.2024 (अनअंकेक्षित)	30.09.2024 (अनअंकेक्षित)	30.09.2024 (अनअंकेक्षित)	30.09.2023 (अनअंकेक्षित)
1.	परिचालन से कुल आय	1622.99	1339.03	3003.73	2962.02	5818.72
2.	कुल व्यय	1299.42	1060.83	2784.57	2360.25	5274.4
3.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण वस्तुओं से पूर्व #)	323.57	278.2	219.16	601.77	544.32
4.	कर के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण वस्तुओं से पूर्व #)	323.57	278.2	219.16	601.77	1057.27
5.	कर के बाद की अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण और/या असाधारण वस्तुओं से पूर्व #)	323.57	205.87	161.65	529.44	273.99
6.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [इस अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद)]	323.57	205.87	161.94	529.44	274.57
7.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय	16273.61	16273.61	10916.47	16273.61	10916.47
8.	इक्विटी शेयर पूंजी	5726.09	5406.22		5726.09	
9.	प्रति शेयर आय (रु. 10/- प्रति) (निरंतर और गैर-निरंतर गतिविधियों के लिए)	0.2	0.19	0.19	0.33	0.33

टिप्पणियाँ:
1. उपरोक्त वित्तीय परिणामों की कंपनी की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा और अनुमति की गई है और 5 दिसंबर 2024 को आयोजित बैठक में कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2. कंपनी ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम 2015 के संशोधित अंतिम संस्करण की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानक (इंडएएस) के अनुसार और सेबी के विनियम 33 (वृत्तीय/वर्षावधि वार्षिक और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 यथा संशोधित के संदर्भ में वित्तीय परिणाम तैयार किए हैं।
3. कंपनी के पास इस एंड एस 108 के संदर्भ में एक से अधिक रिपोर्ट करने योग्य खंड नहीं हैं और खंडवार रिपोर्टिंग लागू नहीं है। कंपनी (लेखा) नियम 2014 के नियम 30 के अनुसार, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने विमर्शपूर्ण संशोधन शामिल किए हैं।
4. 'बर्तक' कि 1 अप्रैल 2021 के बाद शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक कंपनी को अपने खाली की पुस्तकों को बनाने रखने के लिए लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग करनी है, केवल ऐसे लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग करनी, जो प्रत्येक लेखांकन के ऑडिट ट्रेल को रिकॉर्ड करे, खाली की पुस्तकों में किए गए प्रत्येक परिवर्तन का एक संग्रहण लॉग बनाएगी, ताब ही उस तारीख को भी जब ऐसे परिवर्तन किए गए होने और यह सुनिश्चित करना कि ऑडिट ट्रेल को अक्षम नहीं किया जा सकता है। हालाँकि, कंपनी ने इसे अपने अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में लागू नहीं किया है और इसका कार्यान्वयन प्रक्रिया में है।
5. फिक्स्ड अवधि के अंकड़ों को तुलनीय बनाने के लिए, जहां भी आवश्यक हो, पुनर्कीयत/पुनः समीक्षा/पुनः कीकृत किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए और की ओर से
डिबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व नाम डिबॉक सेल्स एंड मार्केटिंग लिमिटेड)
कुचे/-
मुख्य मन्वरी सिंह
प्रबंध निदेशक

दिनांक: 5 दिसंबर, 2024
स्थान: जयपुर